भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †163

उत्तर देने की तारीख 18.11.2019

जनजातीय समुदायों के लिए वार्षिक आय

†163. श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:

श्री अदाला प्रभाकर रेड्डी:
क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधन परिषद , नई दिल्ली ने कर्नाटक के अभ्यारण्य के आस-पास रहने वाले जनजातीय समुदायों के लिए वार्षिक आय सृजित करने के संबंध् में पश्चिमी घाटों और पूर्वी घाटों के बीच स्थित बिलगीरी रंगास्वामी मंदिर वन्य जीव अभ्यारण्य (बीआरटीडब्ल्यूएलएस) के आर्थिक महत्व का अध्ययन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार जनजातीय समुदायों के लाभार्थ आन्ध्र प्रदेश के विजियानगरम और विशाखापट्टनम सहित अन्य राज्यों में योजना को दोहराएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(सुश्री रेणुका सिंह सरूता)

(क) से (ख) : भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार , उन्होंने कर्नाटक में अभयारण्य के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले जनजातीय समुदायों के लिए वार्षिक आय सृजन पर पश्चिमी घाटों और पूर्वी घाटों के बीच स्थित "बिलगिरी रंगास्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य " (बीआरटीडब्ल्यूएलएस) पर अध्ययन नहीं किया है। हालांकि , आईसीएसएसआर ने डॉ . एम . बालासुब्रमण्यम , सहायक प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आईएसईसी), बेंगलुरु को "इकोनॉमिक वेल्यू ऑफ फॉरेस्ट रिसोर्स: ए केस स्टडी ऑफ नाइन डिस्टिक्ट्स ऑफ कर्नाटक" पर एक रिसर्च परियोजना का कार्य सौंपा है । यह अध्ययन दिनांक 01-02-2018 से किया जा रहा है और यह एक सतत परियोजना है ।

बिलगिरी रंगास्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य (बीआरटीडब्ल्यूएलएस) का आर्थिक मान, कर्नाटक में पश्चिमी घाट इकोनॉमिक वेल्यू ऑफ फॉरेस्ट रिसोर्स पर किए गए अध्ययन का भाग है । इस अध्ययन में कार्बन प्रथककरण, सेवाओं का प्रावधान, मिट्टी के कटाव की रोकथाम और मनोरंजन सेवाओं के मूल्य का प्राक्कलन करता है | इसने सेवाओं के प्रावधान तथा मनोरंजन सेवाओं के मूल्य का आकलन करने के लिए व्यक्तिगत यात्रा लागत को आकलित करने के लिए बाजार मूल्य पद्धतियों का उपयोग किया है, जबकि कार्बन प्रथककरण तथा और मिट्टी के कटाव की रोकथाम के मूल्य को सहायक आंकड़ों के आधार पर आकलित किया गया है | अध्ययन के अनुसार , बीआरटी वन्यजीव अभयारण्य में नमूना घरों के लिए गैर- इमारती वन उत्पादों से औसत वार्षिक आय रू. 10000 से 12000 रूपये के बीच रही ।

(ग) विचाराधीन ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****